

14/7/25

का ... 273, 105, ...  
 आज प्राचीन ललितेश्वर द्वारा प्रस्तुत  
 आठ पत्र के आधार पर चलन कर पेश किया।  
 मूल दाना राजीनामा के आधार पर खारिज  
 किया गया चुका है। आठ पत्र का चलन  
 का कोई औचित्य नहीं है। अतः आठ पत्र  
 212 RTI इसी स्तर पर खारिज किया  
 जाता है। पत्रों के संख्या सुमार होकर  
 दायित्व दफ्तर से है।

ललितेश्वर  
 I. d. b p  
 14/7/25

